

**Harideo Joshi Rajkiya Kanya Mahavidyalaya
Banswara (Rajasthan)**



Anandam

**Harideo Joshi Rajkiya Kanya Mahavidhyalaya,
Near Old Bus Stand,
Banswara (Rajasthan) - 327001**

दैनिक डायरी में लिखते रहने से होता है व्यक्तित्व का विकास : प्राचार्य

हरिदेव जोशी कन्या महाविद्यालय में आनंदम विषयक कार्यशाला का आयोजन

भास्कर संवाददाता | बांसवाड़ा

हरिदेव जोशी राजकीय कन्या महाविद्यालय में मंगलवार को आनंदम पाठ्यक्रम पर कार्यशाला हुई। इस सत्र में प्रथम वर्ष एवं एमए पूर्वार्ध की छात्राओं के लिए प्रारंभ किए गए आनंदम पाठ्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई। संयोजक बॉटनी विषय की विभागाध्यक्ष मोनिषा मीणा द्वारा आनंदम पाठ्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा एवं कार्यप्रणाली प्रस्तुत की गई।

उन्होंने छात्राओं को इसके लिए स्वयं के द्वारा व सामूहिक रूप से अच्छे कार्य करने के लिए कहा। पाठ्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ सर्वजीत दुबे ने कहा कि अच्छे कार्य किसी भी प्रकार के हो सकते हैं जैसे स्वच्छता के कार्य, देने का भाव, किसी वृद्ध व्यक्ति की सहायता, घर के छोटे-छोटे कार्य एवं सभी प्रकार की जागरूकता आदि है जिससे समाज की व देश की भलाई हो सकती है। उन्होंने बुद्ध की कहानी सुनाते हुए बताया कि एक निर्धन व्यक्ति से महात्मा ने भिक्षा की याचना की। अन्य कुछ भी न होने पर बुद्ध ने उसको आंगन की धूल



बांसवाड़ा. आनंदम पाठ्यक्रम पर कार्यशाला में मंचासीन अतिथि।

देने को कहा। शिष्यों ने पूछा तो उन्होंने कहा कि आज धूल देने के भाव से यह व्यक्ति भर गया, वहीं कल फूल भी देगा।

डॉ. शिप्रा राठौड़ ने आनंदम पाठ्यक्रम के लिए डायरी बनाने, और कार्य के प्रारूप के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर महाविद्यालय के आचार्य या मेंटर को सूचना देनी चाहिए ताकि इस पाठ्यक्रम के बारे में पूरी जानकारी मिल

सके। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ सरला पंडुया ने आनंदम पाठ्यक्रम के उद्देश्य और उसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि छात्राओं द्वारा किए गए अच्छे कार्य को दैनिक डायरी में लिखने से न केवल छात्राओं के व्यक्तित्व का विकास होगा बल्कि इससे परिवार, समाज, गांव और शहरों में श्रेष्ठ कार्य भी हो सकेंगे व सभी में नैतिक, मानवीय मूल्यों के विकास से सर्वांगीण उन्नति होगी।



Government of Rajasthan
STATE PROJECT DIRECTORATE
Rashtriya Uchhatar Shiksha Abhiyaan (RUSA)
Telefax:0141-2706550; email: spdrusaraj@gmail.com

Date: 20 Feb. 2020

F 30 (47) SPD/RUSA/VC Conf./2019/02

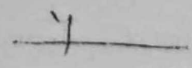
Principals,
All Govt. Colleges
Rajasthan

Subject:- To appoint Nodal Officer in the college for Anandam program

Dear Sir/Madam,

It is planned to begin a mandatory new course Anandam in all government colleges in Rajasthan. During the course students are expected to engage themselves in individual acts of goodness and group activity in service of the community. Over a period of time they would inculcate the habit of caring and sharing to become responsible citizens.

To facilitate and coordinate activities of the students and the faculty, a nodal officer is to be appointed in the college. The name, mobile number and E-mail id of the nodal officer is to be sent to this office E-mail id – aanandm299@gmail.com by 28.02.2020 for future correspondence.

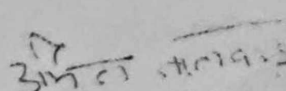

(Pradeep Kumar Borad) IAS
State Project Director
Commissioner College Education

F 30 (47) SPD/RUSA/VC Conf./2019/02

Date: 20 Feb. 2020

Copy for necessary action:

1. IT Incharge to upload on website
2. Guard file


(Dr. Urmil Talwar)
Consultant RUSA
Coordinator, Core Committee, Anandam

गर्भालय प्राचार्य, हरिदेव जोशी राजकीय कन्या महाविद्यालय, बांसवाड़ा (राज.)

Website : www.hdjggc.org

Email: hdjgirlscollege@yahoo.com

Tel. & Fax: (02962)

44162

दिनांक.5.11.2020

क्रमांक

“आनन्दम्-योजना की क्रियान्विति हेतु रणनीति बनाई गई”

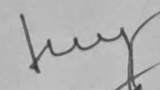
हरिदेव जोशी राजकीय कन्या महाविद्यालय में आज दिनांक 5.11.2020 को 12:00am बजे प्राचार्य की अध्यक्षता में समस्त संकाय की उपस्थिति में आनंदम प्रोग्राम की बैठक सम्पन्न हुई जिसमें सर्वप्रथम नोडल अधिकारी मोनिषा मीणा द्वारा आनंदम प्रोग्राम की जानकारी हेतु PPT प्रस्तुत किया गया। जिसमें मुख्य रूप से निम्न जानकारी दी गयीं।

1. प्रत्येक संकाय सदस्य को मेन्टर की भूमिका निभाते हुए वाट्स एप बनाने हैं।
2. रजिस्टर बनाते हुए छात्राओं को अच्छे काम करने के लिए प्रेरित करना है तथा सामुदायिक सेवा की परियोजना के बारे में सूचना देनी हैं।
3. 8-12 अनुपातो में छात्रो के समूह बनाते हुए परियोजना को सन्पन्न करते हुए कार्य करना हैं।

संकाय सदस्य द्वारा निम्न मुद्दों पर मार्गदर्शन चाहा गया

1. छात्राओं के समूह किस आधार पर बनाने हैं?
2. जिन छात्राओं के पास वाट्स एप व इन्टरनेट की सुविधा नहीं है, उनसे सम्पर्क कैसे किया जाये?

अतः मैं प्राचार्य द्वारा समस्त संकाय सदस्यों को आनंदम प्रोग्राम को सफल बनाने के लिए अपने वाट्स एप से छात्राओं को प्रेरित करने की बात कही गयीं। प्राचार्य ने आह्वान किया कि सभी शिक्षकों को इस महनीय कार्यक्रम को प्राणपण से लगकर सफल बनाना है ताकि भावी पीढी “ज्वॉय ऑफ गिविंग” को अपने जीवन में उतार सके।


प्राचार्य
हरिदेव जोशी राजकीय कन्या
महाविद्यालय, बांसवाड़ा (राज.)

THE
JOY OF
GIVING

Day : SATURDAY

Time : 11:00 am

Learned it today :

Good work : The past cannot be changed
बागवानी की चिड़िया को खाना देना दिया

6:00 am : मैंने घर में खाना बनाया, घर का सारा काम किया किया। आज मैं अपनी अपनी नयी आदत लिख रही हूँ। मैंने लॉकडउन होते ही कुछ दिनों बाद बागवानी का काम शुरू किया और आज भी मैं खुबसूरत का कुछ समय (30 min) पेड-पॉथे पानी देने व उनकी देखभाल करती हूँ। पक्षियों को खाना देती हूँ। फिर मैं कॉलेज गई, शॉपिंग समय लाइब्रेरी में व्यतीत किया और पढ़ाई की। आज मैंने कुछ लोगों की बातों से यह सिखा कि हम हमारे वित्त दूर कल में बदल नहीं सकते पर आज के कल को बेहतर बना सकते हैं।

Day - Sunday
Time - 11: Pm

Learned it today :- Don't waste time

Good work :-

10:00 am: उठी, Freshop,

आज में थोड़ा बुरा महसूस कर रही हूँ, क्योंकि आज मैंने अपने दैनिक विनियमों का फॉलो नहीं किया और लैट उठी घर का काम किया आज बारा काम लैट ही हुआ। आज मैंने कुछ भी नहीं पढ़ा यही कारण है, कि आज मुझे डॉर पड़ी। परन्तु मैंने आज नई चीज सिखी अपना समय बर्बाद मत करो। अगर मैं जल्दी उठ गई होती तो शायद ऐसा नहीं होता। सुबह देर से उठना गलत बात नहीं है पर तब समय पर काम न होना गलत है। आज मैंने शाम को पौधा की देखभाल का समय निकाला।

Day : Tuesday
Time : 11:00

Dear Dairry, आज कुछ पंडित, जो कि आज
हमारे मीहल्ले में आए वो कह रहे थे
अगर तुम्हें सुख, धन चाहिए, तो हमसे
खन करवाओ और उन्होंने कहा कि आप
सब पैसे इकट्ठा कर के उन्हें दे लें, वो आप
कुल सब सामान ले कर बाँटेंगे उनकी
त्य राशि 500 रु थी। मैंने सब को
कहा यह गलत है, कुछ तो पहले से
ही जागरूक थे, उन्होंने मेरा साथ
दिया और हमने उन्हें वहाँ से भगा
दिया।

धर्म मनुष्य को परमात्मा तक ले
जाता है, पर अंधविश्वास उसे नुक
से और ले जाता है।

Day : Tuesday
Time : 11:00

Dear Diary, आज कुछ पंडित, जो कि आज हमारे मीहले में आए वो कह रहे थे अगर तुम्हें सुख, धन चाहिए, तो हमसे खन करवाओ और उन्होंने कहा कि आप सब पैसे इकट्ठा कर के उन्हें दे लीं, वो कुल सब सामान ले कर आएंगे उनकी तय राशि 500 रु थी। मैंने सब को कहा यह गलत है, उन्हें तो पहले से ही ज्ञानमय है, उन्होंने मेरा साथ दिया और हमने उन्हें वहाँ से भगा दिया।

धर्म मनुष्य को परमात्मा तक ले जाता है, पर अंधविश्वास उसे नुक़ी और ले जाता है।

Day : Wednesday
Time : 2:00 pm

learned it today: - संसार का सबसे बड़ा आधिकार सेवा याग से मिलता है।
Good work today: - लाइवरी की कुछ को सब के साथ साज किया।

रात को रैर तक पढ़ने के बाद सुबह 6:00 वक़्त में आज सुबह जल्दी उठी 6:00 वक़्त। फिर मैंने खाना बनाया, धार का काम निपटाया न उसके बाद में तैयार हुई और कॉलेज गई, थोड़ी रैर लाइवरी में पढ़ाई की और लेकर ले कर वापस 2:00 वक़्त रैर आ गयी। फिर धार आकर मैंने एक कुला जो भुखा था उसको मैंने खाना दिया। फिर मैंने आराम किया फिर उसके बाद मैंने थोड़ी पढ़ाई की। वो कहते हैं, न कि कोई भी चीज़ थोड़ा थोड़ा तक नहीं न रहती आप मेरे अन्दर क्या के मुक़ाबले कम जोबा था, मैं अ कुल थोड़ा पढ़ भी नहीं पायी।

Day : Thursday
Time : 11: Am

Good work today:- मेरी बातों से मैंने सब लोगों को प्रभावित किया।

आज मैं सुबह 6: बजे उठी। फिर घर का थोड़ा काम किया। पौधों को पानी पिलाया और फिर तैयार होकर कॉलेज गई। मैं हमेशा यह साबुत रखती हूँ कि दूसरों से कुछ नया कैसे सिख सकती हूँ। पर मुझे आज लगा कि मैं भी दूसरों को कुछ सिखा सकती हूँ। आज मेरी क्लासमेंट ने कहा कि तेरा सबसे बात करने का अंशुल मुझे बहुत अच्छा लगा। मैंने मेरी एक फ्रेंड है उसके माता-पिता उसकी पढाई छुड़वाना चाहते थे। पर मैंने उनको बताया कि एक बडकी पढ-लिख आँकड़ा और देश का नाम बोलान कर सकती है। और मैंने उसे बहुत समझाया। तब उन्होंने सोचा और अपनी बेटी की पढाई न छुड़वाने की बात की। मुझे मेरी फ्रेंड बहुत खुश हुई। मुझे भी उसके लिए बहुत खुशी हुई।

Day : Friday
Time : 11:00 pm

Good work today:- छोटे की थैलियों का उपयोग करना।

आज मैं कॉलेज के लिए घर से निकली ही थी। इतने में एक गाय का एक प्लास्टिक की थैली निकल रही थी। मैंने जाल्दी से उस गाय के मुँह में से प्लास्टिक की थैली निकाल कर गड्डे में फेंक दी। फिर मैंने पास में एक किराना की दुकान थी वहाँ जाकर उनसे कहा कि आप इन प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग न करें एवं दूसरे लोगों को भी समझाएं कि वह कपडे की थैली लेकर आए और उसमें सामान ले जाएं। ताकि प्लास्टिक की वजह से पशुओं की जान न जाएं। मैंने घर आकर अपने घर वाले को भी छोटे की थैलियों का ही उपयोग करने के लिए कहा। मेरे पापा ने मुझ पर गर्व का महसूस किया और मुझे भी उस गाय की जान बचाकर बहुत ज्यादा खुशी मिली।